दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शनिवार 18 सितंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 349

भारतीय रेल ने स्किल इंडिया मिशन की प्रगति में एक ऊंची छलांग लगाई

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव के 75 साल के हिस्से के रूप में रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से उद्योग से संबंधित कौशल में प्रवेश स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने के लिए रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तत्वावधान में आज रेल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में रेल कौशल विकास योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीत शर्मा तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह एक शुभ दिन है, क्योंकि विश्वकर्मा जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की बधाई भी दी। वैष्णव ने प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन पर रेलवे की ओर से उपहार के रूप में रेल कौशल विकास योजना को समर्पित किया। कौशल विकास का विजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का अभिन्न अंग है और रेल कौशल विकास योजना के तहत 50 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य गुणात्मक सुधार लाने के लिए युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण कौशल प्रदान करना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रेल कौशल विकास योजना के तहत दूरस्थ क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण प्रक्रिया का लाभ लेना चाहिए।

तीन साल की अवधि में 50,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रारंभ में, 1,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण चार ट्रेडों में प्रदान किया जाएगा अर्थात - इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट और फिटर तथा इसमें 100 घंटे का प्रारंभिक बुनियादी प्रशिक्षण शामिल होगा। क्षेत्रीय मांगों और जरूरतों के आकलन के आधार पर क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों द्वारा अन्य ट्रेडों में प्रशिक्षण कार्यक्रम जोड़े जाएंगे। प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाएगा और प्रतिभागियों का चयन मैट्रिक में अंकों के आधार पर एक पारदर्शी तंत्र का पालन करते हुए ऑनलाइन प्राप्त किए गए आवेदनों में से किया जाएगा। 10वीं पास और 18-35 साल के बीच के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र होंगे। हालांकि इस प्रशिक्षण के आधार पर योजना में भाग लेने वालों का रेलवे में रोजगार पाने का कोई दावा नहीं होगा।

इस योजना के लिए नोडल पीयू - बनारस लोकोमोटिव वर्क्स द्वारा कार्यक्रम का पाठ्यक्रम विकसित किया गया है, जो मूल्यांकन को मानकीकृत करेगा और प्रतिभागियों के केंद्रीकृत डेटाबेस को बनाए रखेगा। यह योजना शुरू में 1,000 प्रतिभागियों के लिए शुरू की जा रही है, जो अप्रेंटिस अधिनियम 1961 के तहत प्रशिक्षुओं को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के अतिरिक्त होगी। प्रस्तावित कार्यक्रमों, आवेदन आमंत्रित करने वाली अधिसूचना, चयनित उम्मीदवारों की सूची, चयन के परिणाम, अंतिम मूल्यांकन, अध्ययन सामग्री और अन्य विवरण के बारे में सूचना के एकल स्रोत के रूप में एक नोडल वेबसाइट विकसित की जा रही है।

चार पिस्तौल सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद

» पुलवामा जिले में पुलिस और सेना की संयुक्त कार्रवाई

पुलवामा (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले से पिस्तौल सहित कई हथियारों की बरामदगी हुई है. पुलिस और सेना ने एक संयुक्त तलाशी अभियान में पुलवामा जिले के तेलंगम गांव से चार पिस्तौल सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है.

पुलवामा में ही मंगलवार को आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया था. जिले के राजपोरा चौक पर आतंकियों ने ग्रेनेड हमला किया, जिसमें 3 नागरिक घायल हो गए थे. दरअसल पुलवामा शहर के राजपोरा चौक के पास आतंकवादियों द्वारा एक पुलिस वाहन पर ग्रेनेड फेंके जाने से तीन नागरिक घायल हुए थे. एक अधिकारी ने जानकारी दी थी कि संदिग्ध आतंकवादियों ने शहीद पार्क के पास एक पुलिस वाहन की ओर ग्रेनेड फेंका, हालांकि यह ग्रेनेड सड़क पर ही फट गया.

जम्मू कश्मीर में जारी ऑपरेशन ऑलआउट का इस साल भी व्यापक असर देखने को मिला है. सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, इस साल अगस्त तक न केवल जम्मू कश्मीर में आतंकी संगठनों में शामिल होने वाले युवाओं की संख्या में गिरावट आई है बल्कि पिछले सालों के मुकाबले इस साल सुरक्षाबलों ने रिकॉर्ड संख्या में आतंकियों का सफाया किया है. हालांकि आतंकी हमलों में कश्मीर मे इस साल कई पुलिस आधिकारी और नेता मारे भी गए हैं. घाटी में आतंकी तंजीमो में शामिल होने वाले युवाओ की संख्या में गिरावट हुई है. इस साल अभी तक 79 आतंकी समूहोम के युवाओं की भर्ती हुई है जबकि पिछले साल 166 युवा आतंक की राह पर चले गए थे. वही ऑपरेशन के दौरान दो आतंकियों ने सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर किया और दर्जन भर से ज्यादा नौजवान मुख्यधारा में अब तक शामिल हो चुके हैं.

महत्वपूर्ण एवं खास

सीबीआई बिल्डिंग में लगी आग, बामुश्किल अधिकारियों को बाहर निकाला गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीबीआई की बिल्डिंग के बेसमेंट में भीषण आग लगने की खबर है। इस आग के चलते सभी अधिकारियों और स्टाफ को बाहर निकाल लिया गया है। दमकल विभाग की कई गाड़ियां आग को बुझाने के लिए मौके पर पहुंची हैं और बचाव का काम भी तेजी से चल रहा है। दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्पलेक्स में यह आग लगी है। जानकारी के मुताबिक दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर मौजूद है। शुक्रवार की दोपहर करीब 1.30 बजे बिल्डिंग के बेसमेंट से धुंआ निकलते देखा गया। इसके कुछ ही देर बाद अंदर से आग की लपटे निकलती देखी गई। एहतियात के तौर पर अंदर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को तुरंत बिल्डिंग खाली करने के लिए कहा गया। अभी तक की सूचना के मुताबिक इस अगलगी में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अभी आग लगने की वजहों का पता नहीं चल सका है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो देश के सबसे टॉप केसों की जांच-पड़ताल करती है। सीबीआई का मुख्यालय दिल्ली में स्थित है। इस मुख्यालय में विभिन्न अहम केसों से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी रखे गये हैं। अभी इससे पहले जुलाई के महीने में भी सीबीआई बिल्डिंग में आग लगी थी। उस वक्त यह कहा गया था कि आग शॉट सर्किट की वजह से लगी है। फिलहाल इस बार आग कैसे लगी? अभी इसकी पड़ताल की जा रही है।

26 जनवरी को हुए लाल किला हिंसा मामले में लक्खा सिधाना को कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किले पर हुई हिंसा में कथित संलिप्तता से जुड़े एक मामले में गैंगस्टर लक्खा सिधाना को शुक्रवार को अग्रिम जमानत दे दी है। आरोपी सिधाना की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल जांच में शामिल हुए और जांच एजेंसी को पूरा सहयोग कर रहे हैं। वहीं पुलिस की ओर से पेश वकील ने सिधाना की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कोर्ट को बताया कि सिधाना ने प्रदर्शनकारियों को लाल किले में आमंत्रित किया था और इस मामले में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। गौरतलब है कि 26 जनवरी को तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली थी। इस दौरान उनकी पुलिस से भिड़त हो गई थी। वहीं भारी संख्या में किसान लाल किले में घुस गए थे और वहां एक गुंबद पर धार्मिक झंडा फहरा दिया था। इस हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। लखबीर सिंह उर्फ लक्खा सिधाना पंजाब का गैंगस्टर है। जिस पर भड़काऊ भाषण देकर लोगों को भड़काने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक 26 जनवरी की किसान हिंसा में पकड़े गए दीप सिद्धू ने 25 जनवरी को सिंघु बॉर्डर पर जब भड़काऊ भाषण दिया था तब लक्खा सिधाना भी वहीं मौजूद था।

कॉलेजियम ने पहली बार दी आठ हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस की नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने देश में एक साथ आठ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। ऐसा पहली बार है जब कॉलेजियम ने एक साथ इतने चीफ जस्टिस की नियुक्ति को मंजूरी दी हो। इसके अलावा कॉलेजियम ने करीब दो दर्जन हाईकोर्ट के जजों के तबादले को भी अपनी मंजूरी दे दी है। चीफ जस्टिस एन वी रमन की अध्यक्षता वाले तीन जजों के कॉलेजियम ने ये फैसला लिया। इसके साथ ही विभिन्न हाईकोर्ट के चार मुख्य न्यायधीशों का भी तबादला किया। इस कॉलेजियम में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस यू यू ललित और ए एम खानविलकर भी हैं। जजों की नियुक्ति और तबादले का फैसला एक मैराथन मीटिंग के बाद लिया गया। इस संबंध में बैठक गुरुवार और आज हुई। सूत्रों के मुताबिक कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस राजेश बिंदल का तबादला इलाहाबाद हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर हुआ है। त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अकिल कुरैशी का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट के लिए हुआ है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मेघालय, गुजरात और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट को भी नए चीफ जस्टिस मिलेंगे।

वायुसेनाध्यक्ष ने मध्य वायु कमान के मुख्यालय का किया दौरा

नई दिल्ली। वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल आरकेस भदौरिया पीवीएसएम एवीएसएम वीएम एडीसी ने वार्षिक कमाडंर सम्मेलन के अवसर पर 16 सितंबर, 21 को प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय का दौरा किया। एयर मार्शल आरजे डकवर्थ एवीएसएम वीएसएम, एयर ऑफिसर कमानडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) मध्य वायु कमान ने वायुसेनाध्यक्ष की अगवानी की। कमान मुख्यालय पहुंचने पर वायुसेनाध्यक्ष को रस्मी सलामी गारद पेश की गई। कमाडंरों को सम्बोधित करते हुये वायुसेनाध्यक्ष ने कार्रवाई करने की तैयारियों और चाक-चौबंद रहने का अभ्यास का विश्लेषण करने तथा वास्तविक और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कमाडंरों को निर्देश दिया कि वे सभी स्तरों पर कार्रवाई की तैयारी, हथियार प्रणाली और साजो-सामान को हमेशा दुरुस्त रखना सुनिश्चित करें। वायुसेनाध्यक्ष ने हाल में आई बाढ़ में राहत अभियान चलाने और सिविल प्रशासन की मदद करने के लिये मध्य वायु कमान की सराहना की। वायुसेनाध्यक्ष ने सभी कमाडंरों से आग्रह किया के वे सुरक्षित उड़ान परिचालन वातावरण सुनिश्चित करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नवाचार, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के जरिये भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता बढ़ाई जानी चाहिये।

24 और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों को खरीदेगा भारत

» एयरस्ट्राइक व कारगिल में ऐसे विमानों की वजह से पाक झेल चुका है दर्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। जिस मिराज-2000 लड़ाकू विमानें ने कारगिल युद्ध का पासा पलट दिया था, जिसने पाकिस्तान की धरती में घुसकर जैश के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था, उस बेड़े की ताकत और बढ़ने वाली है। भारतीय वायुसेना 24 सेकेंड-हैंड मिराज के साथ अपने लड़ाकू बेड़े को और मजबूत करने वाली है।

सूत्रों के अनुसार भारतीय वायुसेना चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के अपने पुराने बेड़े को मजबूत करने के प्रयास में दसॉल्ट एविएशन द्वारा बनाए गए 24 सेकेंड-हैंड मिराज 2000 लड़ाकू विमानों का अधिग्रहण करने और साथ ही विमान के अपने दो मौजूदा स्क्वाड्रनों के लिए सुरक्षित पुर्जे भी हासिल करने की तैयारी में है। उनमें से एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने इन लड़ाकू विमानों को खरीदने के लिए 27 मिलियन यूरो ((233.67 करोड़ रुपये) के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से आठ उड़ने के लिए तैयार स्थिति में हैं। एक विमान की कीमत 1.125 मिलियन यूरो यानी (9.73 करोड़ रुपये) है। विमानों को जल्द ही कंटेनरों में भारत भेज दिया जाएगा। बता दें कि यह वही मिराज-2000 है, जिसने पाकिस्तान को कारिगल से लेकर एयरस्ट्राइक के वक्त बड़ा दर्द दिया है।

भारतीय वायुसेना का 35 वर्षीय पुराना मिराज बेड़ा, जिसने 2019 बालाकोट ऑपरेशन के दौरान असाधारण प्रदर्शन किया, मिड-लाइफ अपग्रेड के दौर से गुजर रहा है। वहीं दूसरे विमानों के लिए 300 महत्वपूर्ण पुर्जों की तत्काल आवश्यकता है। अधिकारी ने कहा कि ये विमान अब फ्रांस में अप्रचलित हो रहे हैं और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने इसे खरीदने का फैसला किया है।

आईएसआई ने रची थी भारत में आर्थिक आतंकवाद की साजिश

» जीशान ने बताया ना पाक आतंकी मॉड्यूल का पूरा प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस द्वारा पूर्व में भंडाफोड़ किए गए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल सीरियल ब्लास्ट को अंजाम देकर भारत को आर्थिक नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहा था। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार किए गए जीशान ने पूछताछ में बताया कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) भारत में आर्थिक आतंकवाद को अंजाम देना चाहती है। गिरफ्तार किए गए सभी छह आतंकियों से दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल लगातार पूछताछ कर रही है और पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं।

सूत्रों ने कहा कि वे कपास के व्यापार को कम करने की योजना बना रहे थे और उन्होंने बड़े कारखानों, गोदामों और दुकानों में कपास को ले जाने वाली ट्रेनों को जलाने की योजना बनाई थी, जो कोरोना महामारी के प्रभाव से उबरने की कोशिश कर रही देश की अर्थव्यवस्था को बाधित करता। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवादी जान मोहम्मद अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई अनीस इब्राहिम और आईएसआई के सीधे संपर्क में था। सूत्रों ने कहा कि पूछताछ के दौरान जान मोहम्मद ने कबूल किया कि उसने एक तंबाकू व्यापार केंद्र में विस्फोट किया था और अनवर नाम के एक व्यापारी की हत्या कर दी थी। महाराष्ट्र (एंटी टेरेरिज्म स्क्वॉड) एटीएस ने गुरुवार को जान मोहम्मद से करीब ढाई घंटे तक पूछताछ की थी।

सूत्रों ने बताया कि मस्कट में आईएसआई ने कुछ ऐसे लोगों को नौकरी पर रखा था जो पाकिस्तान में ट्रेनिंग के लिए लड़कों को मस्कट से जलमार्ग के जरिए पाकिस्तान ले जाते थे। सूत्र ने कहा कि यात्रा के दौरान आईएसआई से जुड़ा एक व्यक्ति भी मौजूद रहता था। उसका काम पाकिस्तान में तैनात अपने साथियों को हर गतिविधि की जानकारी देना था। इतना ही नहीं सूत्रों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट पर जिस फार्म हाउस में आतंकियों को ट्रेनिंग दी गई थी, वहां फायरिंग रेंज से लेकर फिजिकल ट्रेनिंग तक की व्यवस्था थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि ट्रेनिंग तीन सत्रों में कराई गई। पहली सत्र में जीशान एक खास समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के भ्रामक वीडियो दिखाकर उनका ब्रेनवॉश करता था। दूसरे सत्र में पाकिस्तानी सेना के लोग इन आतंकियों को हथियार चलाने और बम बनाने की ट्रेनिंग देते थे और तीसरे सत्र में आईएसआई के लोग लड़ाकों को हमला करने, टोह लेने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में छिपकर टारगेट खोजने की ट्रेनिंग देते थे।

अभिनेता सोनू सूद के घर तीसरे दिन इनकम टैक्स की दबिश

» टैक्स हेरफेर में सबूत मिलने का दावा

मुंबई (आरएनएस)। कोरोना काल में प्रवासी श्रमिकों के लिए मसीहा बने सोनू सूद के सामने नई मुसीबत आ खड़ी हुई है। आयकर विभाग की टीम बीते तीन दिनों से उनके ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई कर ही है। मुंबई, पुणे समेत कुल 6 ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। सूत्रों ने दावा किया है कि विभाग को इस छापेमारी में टैक्स की हेराफेरी के पुख्ता सबूत मिले हैं। ये टैक्स की हेरफेर सोनू सूद के पर्सनल फाइनेंस से जुड़ी हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपनी फिल्मों से मिली फीस में टैक्स की गड़बड़ी देखी गई है। इन अनियमित्ताओं के बाद अब इनकम टैक्स विभाग सोनू सूद की चैरिटी फाउंडेशन के अकाउंट्स की जांच भी करेगी। खबर है कि इनकम टैक्स विभाग इस मामले से जुड़े सारे सवालों की जानकारी देने के लिए आज शाम प्रेस कॉन्फरेंस कर सकता है।

आज तीसरे दिन सोनू सूद के घर और दफ्तर पर इनकम टैक्स विभाग ने कार्रवाई की है। ये देरी इसलिए हुई है क्योंकि उनका अकाउंटेंट यात्रा कर रहा था। सोनू पर ये कार्रवाई बुधवार से शुरू हुई है और मुंबई और लखनऊ की 6 संपत्तियों की जांच की गई है।

सभी भारतीयों को पिछले 50 वर्षों में हिमाचल प्रदेश के लोगों द्वारा लिखी गई विकास गाथा पर गर्व है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि पिछले 50 वर्षों में हिमाचल प्रदेश के लोगों द्वारा लिखी गई विकास गाथा पर सभी भारतीयों को गर्व है। राष्ट्रपति आज शिमला में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह विशेष सत्र हिमाचल प्रदेश के राज्य के गठन की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की पिछली सभी सरकारों ने इस विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने पूर्व-मुख्यमंत्रियों ड्ड स्व. डॉ. वाई.एस. परमार, स्व. ठाकुर राम लाल, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल और स्व. वीरभद्र सिंह के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकास यात्रा को लोगों तक ले जाने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा की गई पहल बहुत ही सराहनीय है। हिमाचल प्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, हिमाचल प्रदेश सतत विकास लक्ष्य- भारत सूचकांक 2020-21 में देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश कई मानकों पर देश में अग्रणी राज्य है। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार की सराहना की।

हिमाचल प्रदेश की नदियों का पानी स्वच्छ और मिट्टी पोषक तत्वों से भरपूर होने के बारे में संकेत करते हुए राष्ट्रपति ने राज्य के किसानों से अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती अपनाने और अपनी जमीन को रासायनिक खाद से मुक्त रखने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पर्यावरण के अनुकूल कृषि, बागवानी, पर्यटन, शिक्षा, रोजगार-विशेषकर स्वरोजगार आदि में सतत विकास की असीम संभावनाएं हैं। यह राज्य प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर है। इसलिए हमें इसकी प्राकृतिक सुंदरता और विरासतों को संरक्षित करते हुए विकास के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण के संरक्षण लिए उठाए गए सक्रिय कदमों के बारे में चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के लोगों और सरकार के लिए गर्व की बात है कि वर्ष 2014 में हिमाचल प्रदेश देश की पहली पेपरलेस विधानसभा बन गई। यह प्रौद्योगिकी के कुशल उपयोग, पर्यावरण की रक्षा और आर्थिक संसाधनों को बचाने का एक अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए राज्य सरकार ने प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने सहित कई सराहनीय प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा द्वारा पारित गैर-बायो-डिग्रेडेबल कचरा नियंत्रण अधिनियम 1995, धूम्रपान निषेध और गैर-धूम्रपानकर्ता स्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम 1997 जैसे कानूनों का पूरे देश पर अच्छा प्रभाव है। इस विधानसभा में कई ऐसे कानून बनाए गए हैं, जो भविष्योन्मुखी परिवर्तनों का मार्ग प्रशस्त करते रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के लोगों स्वभाव के बारे में राष्ट्रपति ने कहा कि यहां लोग शांतिप्रिय किंतु बहादुर हैं, जो जरूरत पड़ने पर अन्याय, आतंक और देश के गौरव पर किसी भी हमले का बहादुरी से जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लगभग हर गांव के युवा भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भूतपूर्व सैनिकों की संख्या 1,20,000 से अधिक है।